दिल्ली प्रिंटर्स एसोसिएशन

समाचार पत्रिका

मासिक

ESTD : 1954

संपादक : एच. एल. खन्ना केवल सदस्यों के लिए निःशुल्क वितरण हेतु अंकः अक्टूबर–नवम्बर 2020

ALL INDIA FEDERATON OF MASTER PRINTERS

OFFICE BEARERS FOR THE YEAR 2020-21

PRESIDENT
Prof. Kamal Chopra
Foil Printers
2051, B-XX Gobind Nagar
Ludhiana 141 001 (Punjab)

HON. GEN. SECRETARY
Prn. G. N. Visvakumar
Rajams Digital Offset Prints
227, Peters Road, Royapettah
Chennai–600 014

HON. TREASURER
Prn. Harjinder Singh
Swastika Printwell (India) Pvt. Ltd.
33,Cantt. Road
Lucknow-226 001

VICE-PRESIDENT (NORTH)
Prn. Ashwani Gupta
Choice Books & Printer Pvt Ltd
F-19, Focal Point Extn.
Jalandhar City - 144 001 (Punjab)

VICE-PRESIDENT (EAST)
Prn. Vihu Meyase
M K V Offset Press
V.C. Sorhie Building
Pezielietsie (Tinpati)
Kohima - 797 001 Nagaland

VICE-PRESIDENT (WEST)
Prn. Manoj Agnihotri
Mesh Print
105 Sector F
Govindpura Indl Area
Bhopal 462023

VICE-PRESIDENT (SOUTH)
Prn. C. Prakash Babu
Prakash Print Park
No. 69, 2nd Main Road
Rajajinagar Indl Town
Bangalore 560 044

HON. JOINT SECRETARY
Prn. Tirthraj J. Joshi
Shrikrishna Arts
500/1, Joshi Sankul, Shop No. 3,
Shaniwar Peth, Pune - 411 030

IMM. PAST PRESIDENT
Prn. Dibyajyoti Kalita
Navanita Printers
Indl. Estate, 3rd Bye-lane,
Right 3rd Shed, Bamunimaidam,
Opp. NSIC Office, Guwahati - 781 021

30 अक्टूबर दोपहर 12 बजे से 31 अक्टूबर दोपहर 12 बजे तक ऑन लाइन वोटिंग प्रक्रिया से सम्पन्न चुनाव परिणाम के अनुसार वर्ष 2020–21 के लिए एआईएफएमपी के पदाधिकारियों का चयन किया गया।

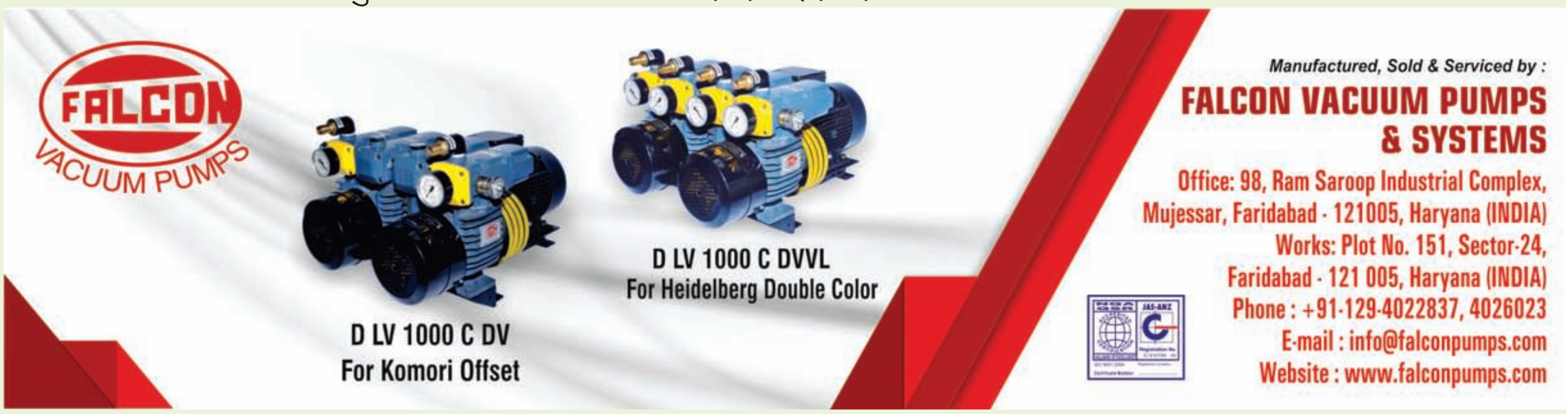

ESTD : 1954

President
Mr. Kewal Krishan Singhal
98111-15945.
Imm. Former President
Mr. Mahinder Budhiraja
9312241788
Vice-presidents
Mr. Ashok Kumar Nandra
92500-55555
Mr. Puneet Talwar
98110-81291
Mr. Sandeep Aggarwal
98110-40044
Hon. General Secretary
Mr. Meghraj Bhati
98103-52633
Joint-secretaries
Mr. Prashant Aggarwal
9971214455
Mr. D. K. Vohra
98105-14145
TREASURER
Mr. Atul Goel
98100-03943

EXECUTIVE COMMITTEE MEMBERS
Mr. Ajay Sharma
8178429924
Mr. Ashish Verma
9350984666
Mr. Ashok Aggarwal
9810064038
Mr. Deepak Bhatia
9810115023
Mr. M. N. Pandey
9811089829
Mr. P. K. Chauhan
9899094076
Mr. P. S. Pathania
9810420879
Mr. Prakash Dass
98187-24948
Mr. Puneet Bajaj
9953322396
Mr. Raghu Nandan Sharma
9811481282
Mr. S.S. Lunkar
9868150401
Mr. Sanjay Sharma
9810643710
Mr. Shiv Mittal
9811078868
Mr. Simranjot Singh Bhatia
9990000270
Mr. Sunil Jain
9999769787
Mr. Veenu Gupta
9810039765
Mr. Vijay Goel
9818321000
Mr. Vijay Jain
9811083737
Mr. Vikas Gaur
9871155294
Mr. Vivek Jain
98102-77339
Executive Secretary
H.L. Khanna
9958043222

Delhi Printers' Association
Flat No. 26A,
Shanker Market,
New Delhi-110001
Tel. : 011-23414415
Telefax : 011-23412574
Email : delhiprinter@hotmail.com
delhiprintersassociation@gmail.com

आवश्यक सूचना

MINIMUM WAGES REVISED IN DELHI FROM 01.10.2020

The minimum rates of wages in Delhi have been revised w.e.f as confirmed by Deputy Chief Minister Manish Sisodia. However, an official notification has not been issued by the government as of now. The old and new minimum rates of wages are tabulated below:

Category of workmen/employees	Old/Current Wages Min. rates of Wages in Rupees		New Wages (from 01.10.2020) Min. rates of Wages in Rupees	
	Per Day	Monthly	Per Day	Monthly
Unskilled	571	14842	596	15492
Semi-Skilled	629	16341	657	17069
Skilled	692	17991	723	18797
Clerical/Supervisory Staff				
Non Marticulates	629	16341	657	17069
Marticulates but not Graduate	692	17991	723	18797
Graduate & above	753	19572	786	20430

Please note that:

1. The Source of this document is an article issued by Mint and other reliable sources working in the industry.
2. This document is created for information process only.
3. The contents of this document are subject to change depending on the relevant notification/order by the government of NCT of Delhi.

दिल्ली प्रिंटर्स एसोसिएशन का WhatsApp Number

पिछले कुछ समय से सदस्यों ने देखा होगा कि डीपीए द्वारा सदस्यों को आवश्यक तथा महत्वपूर्ण जानकारी एवं सूचनाएं न केवल पत्रिका में छापकर तथा ई–मेल द्वारा भेजी जा रही हैं, अपितु **WhatsApp** के माध्यम से भी लगातार समय–समय पर भेजी जा रही हैं। अतः सदस्यों से अनुरोध हे कि वे डी.पी.ए. का **WhatsApp नम्बर 9971371109** अपने मोबाइल में सेव कर लें। यदि कोई सदस्य डीपीए को कोई सुझाव तथा सूचना देना चाहता है तो वह इसी नम्बर के द्वारा भेज सकता है।

वर्ष 2020–2021 के वार्षिक शुल्क के लिए सदस्यों से अनुरोध

जिन सदस्यों ने अपना वर्ष 2020–2021 का वार्षिक शुल्क अभी तक नहीं भेजा है उन्हें याद दिलाया जा रहा है कि अपना शुल्क स्वयं/कोरियर/डाक द्वारा शीघ्रअतिशीघ्र भेजने की कृपा करें। कुछ सदस्य ऐसे भी हैं जिनका वार्षिक शुल्क 2019–2020 का भी नहीं आया है, उन्हें फिर याद दिलाया जाता है कि लगातार दो वर्ष तक वार्षिक शुल्क न आने पर एसोसिएशन की सदस्यता स्वयं समाप्त हो जाती है।

यदि आप वार्षिक चंदा बैंक में सीधे जमा करना चाहते हैं तो संस्था के निम्नलिखित दो बैंक खातों में से किसी में भी जमा करवा सकते हैं तथा जमा करने के बाद संस्था को सूचित कर दें। बैंक का विवरण इस प्रकार है:

Delhi Printers' Association
Saving A/c No. 90042010031370
IFSC Code-SYNB0009004
Bank Name - Syndicate Bank

Delhi Printers' Association
OD A/C No. 0022414008455
IFSC Code-HDFC0CTJCBL
Bank Name-The Janata Co-Operative Bank Ltd.

NEW WEBSITE OF DELHI PRINTERS' ASSOCIATION

DPA has launched its revamped website recently. Please explore the updated website. We would be grateful for any feedback about further improvement.
Explore at: www.delhiprintersassociation.org

अध्यक्ष की कलम से

यह कहने के बजाय कि कोविड–19 ने वैश्विक जीवन तथा जीवन शैली के साथ पर्याप्त कहर ढा लिया है, हम कह सकते हैं कि महामारी ने हर किसी व्यक्ति, हर कैरियर तथा हर उद्योग का भरपूर टैस्ट कर लिया है। हमारे जीवन एवं जीविका पर पड़े इसके भयंकर प्रभाव ने हमें अपनी मानसिकता और प्राथमिकताओं को नया आकर देने के लिए बाध्य किया है। चूंकि दुनिया के जीवन यापन का ढर्रा ही पहले जैसा नहीं रहा अतः हम सबको भी इस नये सामान्य परिवेश के अनुकूल स्वयं को ढालना होगा। शीघ्र ही हम सोच व कार्यान्वन के एक नए रूप के अभ्यस्त बन जायेंगे। शुरूआत में कोरोना वायरस का प्रकोप उद्योगों पर बहुत भारी पड़ा जिसके कारण व्यापार के नए मॉडलों को सामने आने का अवसर भी मिला। अतः हमें अपनी वर्तमान स्थिति को विकसित तथा समायोजित करते हुए नए भविष्य की तैयारी करनी चाहिए। कमाई के नये जरियों को उपयोग में लाने से पूर्व वैंकल्पित (ऑलटर्नेटिव) संभावनाओं के साथ तालमेल बिठाने और उपलब्ध अवसरों के साथ जीने तथा उनके लाभ–हानि के सभी पहलुओं को तौलकर आसपास का गहन निरीक्षण करने के बाद ही अपेक्षित योजना बनानी चाहिए। अनुभवी उद्यमी कुशल कारिगरों को रोजगार देकर कोई भी अन्य आकर्षक व्यवसाय अपना सकते हैं। दूसरी ओर युवावर्ग ऑलाइन पाठ्यक्रमों के सहारे आसानी से नए कौशल, जो वर्तमान समय के अनुसार तेजी से बढ़ रहे हैं, सीख सकते हैं। आगामी चुनातियों का सफलतापूर्वक सामना करने के लिए, नये कौशल के साथ खुद को सशक्त बनाते हुए और अपने उद्योग के विशेषज्ञों द्वारा समय–समय पर चलाए जाने वाले वैबिनारों से जुड़कर कौशल को और उन्नत बनाते हुए दृढ़ता के साथ अपने सपने पूरे करते हुए हमें आगे बढ़ना चाहिए।

आज की परिस्थिति के तहत घर से काम करने वाले कर्मचारियों द्वारा अधिकतम उत्पादकता प्राप्त करने के लिए तकनीकी कम्पनियों ने दूरस्थ रूप से काम चलाना स्वीकार कर लिया है और महामारी के खत्म होने के बाद भी वे ऐसे मिश्रित मॉडल को जारी रखने का इरादा रखते हैं। वास्तविक स्थिति में यह भी पता चला है कि कौन सी जॉब अधिक आवश्यक है और कौन सी जरूरत से ज्यादा है। डिजिटल उपकरणों के प्रयोग द्वारा कंपनियां पारम्पारिक पूर्णकालिक कर्मचारियों के स्थान पर आवश्यक प्रतिभा वाले जरूरत–आधारित कर्मियों को प्राथमिकता दे रहे हैं।

यद्यपि सरकार अर्थव्यवस्था को पुनः पटरी पर लाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रही है, फिर भी यह सम्भव नहीं लगता कि अपेक्षित रिकवरी शीघ्र होगी। लॉकडाउन जैसे प्रतिबन्धों ने न केवल पहले से ही तनावग्रस्त अर्थव्यवस्था पर प्रहार किया है, दूसरे देशों में फैली इसी प्रकार की स्थिति ने व्यापारिक बन्धनों के कारण रिकवरी की सम्भावना और कम कर दी है। नकद हस्तांतरण तथा ब्याज दरों में कमी करने के अलावा सरकार को पब्लिक निवेश को आगे बढ़ाना चाहिए क्योंकि यह प्राइवेट निवेश को आकर्षित करता है। सरकार द्वारा उठाए गए कदमों से लोगों की खरीद की ताकत बढ़ेगी और मांग बढ़ने से उद्योगों को अधिक माल बनाकर बाजार में मजबूती लाई जा सकेगी। ऐसी परिस्थिति में पैकेजिंग तथा प्रिन्टिंग क्षेत्र में भी उठान होगा। फिर भी जब तक कोविड–19 शांत नहीं होता और चीजें तेजी से सामान्य नहीं हो जातीं, तब तक हमें जीवन एवं व्यापार के लिए संघर्ष करते रहना होगा।

–केवल कृष्ण सिंघल, अध्यक्ष

महासचिव की कलम से

लगभग आठ माह बीतने के बाद भी कोरोना वायरस के भयंकर संक्रमण में लगातार उतार–चढ़ाव बना हुआ है। यद्यपि केन्द्र एवं राज्य सरकारों ने साधारण जन–जीवन, उद्योग–व्यापार तथा देश की अर्थ व्यवस्था में सुधार लाने के लिए आर्थिक छूट दी है किन्तु हम सबको पूर्णतः सतर्क रहते हुए कोविड–19 से बचाव रखने के लिए दिए गए आवश्यक निर्देशों के पालन में किसी को प्रकार की ढील नहीं देनी चाहिए और अपने परिवार तथा व्यापार चलाने के लिए यत्न करते रहना होगा। इस पत्रिका के पिछले अंक में हमने मुद्रण उद्योग पर चौतरफा आ रहे संकट के विषय में सूचित किया था कि डिजिटीकरण को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए कदमों के कारण हमारे उद्योग को क्षति पहुंची है। अब दिल्ली सरकार ने फैसला लिया है कि भविष्य में औद्योगिक क्षेत्रों में केवल सर्विस एवं हाईटेक उद्योगों को ही लगाने की अनुमति दी जाएगी अर्थात पहले से चल रही मैन्युफैक्चरिंग इकाइयों को छोड़ कर दिल्ली में कोई भी नया मैन्युफैक्चरिंग उद्योग, जिसमें मुद्रण उद्योग शामिल हैं, लगाने का लाइसैंस नहीं दिया जाएगा। ज्यों–ज्यों शीतकाल आरम्भ होता है वायु प्रदूषण जन–साधारण का जीवन दूभर कर देता है, ऊपर से किसानों द्वारा जलाई गयी पराली के कारण वायु प्रदूषण सारी हदें पार कर जाता है। इस वर्ष सरकार द्वारा दिल्ली में न केवल दीपावली के उत्सव पर पटाखे चलाने पर पूरी तरह से रोक लगा दी गयी, अपितु डीपीसीसी ने दिल्ली व एनसीआर क्षेत्रों में 15 अक्टूबर से डीजल जैनरेटर चलाने पर सख्त पाबन्दी लगा दी है। सदस्यों को ज्ञात होगा कि 23 सितम्बर को पार्लियामैन्ट ने देश के श्रम कानून में आवश्यक सुधार लाने के लिए संशोधन करते हुए तीन लेबर कोड बिल पास कर दिए जिनके तहत श्रमिकों एंव मालिकों के कर्त्तव्यों तथा अधिकारों के बीच सुचारू तालमेल रखा जा सके। सूत्रों के अनुसार सरकार द्वारा नए वर्ष अप्रैल 2021 से इन लेबर कोडों को एक अध्यादेश जारी करके लागू किया जाएगा। इसके पश्चात पहली अक्टूबर को हुई डीएसआईआईडीसी की मीटिंग में निर्णय लिया गया कि औद्योगिक भूखंडों के लीज होल्ड अधिकारों के हस्तांतरण (ट्रान्सफर), नियमतीकरण (रेगुलैराइजेशन) और पुनर्बहाली (रेस्टोरेशन) करने के लिए शुल्क को निर्धारित किया गया तथा इसे स्थायी बनाया गया। इसके अंतर्गत सम्पत्ति ट्रान्सफर के लिए जमीन के बाजार मूल्य का 5–10 फीसदी शुल्क वसूला जाएगा।

ईएसआईसी के दायरे की जारी सीमा 21,000/– रुपए से बढ़ाकर सरकार इसका दायरा 30,000/–रुपए करने जा रही है। इसके तहत एक ओर तो उच्च तन्ख्वाह पाने वाले कर्मचारी भी ईएसआईसी के मैडिकल तथा कैशबैक बैनेफिट का लाभ उठा पाएंगे परन्तु फैक्ट्री मालिकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा क्योंकि ईएसआईसी में आने वाले कर्मचारियों की तन्ख्वाह से 0.75 और कम्पनी द्वारा 3.25 फीसदी ईएसआईसी में जमा कराना होता है।

एक समाचार के अनुसार साउथ एमसीडी के औद्योगिक क्षेत्रों में चल रही लघु व मध्यम कैटेगरी की इकाइयों को एसडीएमसी द्वारा बनाई गयी, नई पालिसी के तहत अपनी बिल्डिंग के हर फ्लोर पर उद्योग चलाने की अनुमति दी जाएगी। किन्तु इसका लाभ उठाने के लिए मालिकों को लाइसैन्स लेते समय हर फ्लोर का स्ट्रक्चरल सेफ्टी सार्टिफिकेट भी देना होगा। इस प्रस्ताव को मन्जूरी के लिए स्टैंडिंग कमेटी में रखा जाएगा। सदस्य जानते हैं, कि कुछ वर्ष पूर्व ईडीएमसी ने इंडस्ट्रीयल सैक्टर के विस्तार के लिए एक पोलिसी बनायी थी जिसमें ग्राउंड फ्लोर के अलावा पहली तथा दूसरी मंजिलों पर भी उद्योग लगाने की छूट दी गयी थी। शुभकामनाओं सहित।

–मेघराज भाटी, महासचिव

WE ARE HIRING

A well-established Delhi based, offset printing, press having 14 printing units, Inhouse binding and prepress set up, is hiring the following:-

GENERAL MANAGER

- **Should be able to head Operations, Sales & Marketing and production.**
- **Minimum 10 year's experience in offset printing specially in Textbooks.**
- **Vast knowledge of functionalities of pre-press and production planning.**

MARKETING MANAGER

- **Minimum 8 to 10 year's experience in procuring printing jobs.**
- **Preferably Diploma in printing.**

Apply with Confidence :- exeasst@calprofoods.com

प्रिंटिंग और पैकेजिंग इंडस्ट्री में रोजगार की संभावनाएं

वर्तमान में जब सब कुछ ऑनलाइन और इंटरनेट से जुड़ा है, ऐसे में मुझे याद है कि एक दौर हुआ करता था जब समाचार पढ़ने के लिए हमें अखबार खरीदना पड़ता था। जो एक रात पहले छपकर आता था।

मुझे आज भी याद है जब 16 अगस्त होता था, तो अखबार नहीं आता था क्योंकि एक रात पहले 15 अगस्त को सारी प्रिंटिंग प्रेस बंद होती थी।

इन सबके बीच आज वह दौर है जहां मुझे समाचार पढ़ने के लिए समाचार पेपर के प्रिंट होने का इंतजार नहीं करना पड़ता है। सारी सूचनाएं मेरे मोबाइल पर उपलब्ध हैं जिन्हें मैं जब चाहूं जहां चाहूं पढ़ और देख सकता हूं तो क्या यह मान लिया जाए कि इस डिजिटल दौर में प्रिंटिंग लुप्त हो चुकी है? क्या आज भी इस इंडस्ट्री में करियर के विकल्प उपलब्ध हैं?

आज की युवा पीढ़ी को इस करियर के विकल्प के बारे में अवगत करवाने के लिए हमने प्रिंटिंग और पैकेजिंग उद्योग के प्राध्यापक धर्मावरपु नागार्जुन, सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष, गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, हैदराबाद, व्यवसायी दयाकर रेड्डी, IPAMA (भारतीय प्रिंटिंग पैकेजिंग और एलाइड मशीनरी मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन) के अध्यक्ष और सरकारी कर्मचारी आरबीआई प्रिंटिंग प्रेस के मानव संसाधन प्रबंधक रवि कुमार से बात की और इस उद्योग के बारे में गहराई से जानने की कोशिश की।

नागार्जुन जी के अनुसार भारत में कुछ लोग सोचते हैं कि प्रिंटिंग का व्यापार तो ग्रीटिंग कार्ड, विजिटिंग कार्ड प्रिंट करने तक का है लेकिन यह एक बहुत बड़ी गलतफहमी है। प्रिंट और पैकेजिंग उद्योग इतना फैला हुआ है पूरे देश में कि प्रिंटिंग के बिना जिंदगी महसूस करना भी मुश्किल होता है।

उन्होंने आगे कहा, "जैसे आप सवेरे उठते हैं तो आपका दूध का पैकेट भी प्रिंटेड ही है। कॉफी पाउडर लेते हैं तो कॉफी पैकेट भी प्रिंटेड है। आप डबल रोटी खाते हैं, वह ब्रेड पेपर भी प्रिंटेड है। अगर हम ऐसे देखेंगे तो सवेरे जब हम नींद से उठते हैं और सोते समय सोचते हैं कि एक किताब पढ़ लें नींद आ जाएगी तो वह किताब भी प्रिंटेड है।"

एक इंसान की पूरी जिन्दगी में जन्म प्रमाण पत्र से लेकर जब आदमी गुजर जाता है तो डेथ सर्टिफिकेट भी एक प्रिंटेड आइटम ही है। यह एक ऐसा उद्योग हे जिसकी साल के 365 दिन जरूरत पड़ती है।

दयाकर रेड्डी के अनुसार भारत में प्रिंट और पैकेजिंग उद्योग में भी बहुत सम्भावनएं हैं। जहां विकसित देशों में 85 प्रतिशत उत्पाद किसी ना किसी तरह की पैकेजिंग के जरिये ही होते हैं लेकिन भारत में यह आंकड़ा सिर्फ 19 प्रतिशत है। तो इस क्षेत्र में हमारे देश में अभी बहुत काम होना है और आजकल पर्यावरण हितैषी उत्पाद भी आने लगे हैं जिसके चलते भी इस इंडस्ट्री में व्यापर के नए आयाम खुल गए हैं।

आरबीआई प्रिंटिंग प्रेस के मानव संसाधन प्रबंधक रवि कुमार के अनुसार सरकारी क्षेत्र में भी प्रिंटिंग और पैकैजिंग में बहुत सारे करियर विकल्प हैं। जैसे हमारी संसद खुद प्रेस चलाती है, देश के सारे बड़े विश्वविद्यालयों का अपना अपना प्रेस होता है। रेलवे से लेकर सरकार जब देश की मुद्रा छपती और पासपोर्ट से लेकर वीजा छपने तक में प्रिंटिंग के करियर के विकल्प उपलब्ध हैं।

ARE PAPER SOURCING WOES WEIGHING YOU DOWN?

NEED BULK SUPPLY ON SHORT NOTICE?

HI'S & LOW'S AFFECTING PRODUCTIVITY?

NOT SATISFIED WITH QUALITY?

TIRED OF DELAYS?

FEELING CHEATED / BULLIED ON COST?

Regd.office :- Plot No.906-912,1st Floor Maharaja Agarsen Market, Chota Chhipiwara, Chawri Bazar, Delhi-110006
Noida Office :- C-18, 3rd Floor Sec-2, Noida-201301
Contact No. :- +91 120 4277662, +91 9870108009

VRINDA PAPERS PVT. LTD.
Complete Paper Solutions

डीपीए के पूर्व अध्यक्ष श्री सुनील जैन ज्यूरी के सदस्य बने

दिल्ली बुक फेयर के समय भारतीय प्रकाशक संघ (फेडरेशन ऑफ इंडियन पब्लिशर) पिछले 40 वर्षों से अपने वार्षिक 'अवार्ड्स फॉर एक्सीलेंस इन बुक प्रोडक्शन' का आयोजन कर रहा है। पुरस्कारों की प्रतियोगिता का उद्देश्य प्रकाशकों, कागज और बाइंडिंग के क्षेत्र में न केवल पुस्तक उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए प्रकाशकों को प्रेरित करना है, बल्कि डिजाइन और टाइपोग्राफी लेआउट और पठनीयता के साथ–साथ पुस्तक के सामान्य अनुभव को भी दर्शाता है। पहले पुरस्कार केवल प्रकाशकों के संघों के सदस्यों तक ही सीमित थे, लेकिन अब उन्हें सभी प्रकाशकों के लिए खोल दिया गया है। भारत में कोई भी प्रकाशक प्रतिस्पर्धा के योग्य है। फेडरेशन के अनुसार, पिछले दस वर्षों से भारतीय प्रकाशन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मेलों में अपने उत्पादों का प्रदर्शन करके अंतर्राष्ट्रीय उत्पादन मानकों का गौरव से मिलान कर रहा है, चाहे वह लंदन, फ्रेंकफर्ट, मॉस्को या बीजिंग में हो। इस उपलब्धि का श्रेय पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं और पुस्तक उद्योग के अन्य खिलाड़ियों को भी जाता है। इस संदर्भ में एफआईपी द्वारा अपनी उत्कृष्टता की मान्यता के माध्यम से निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका और इसे पुरस्कृत करना प्रशंसनीय है।

इस वर्ष फेडरेशन ने 12 श्रेणियों में बुक प्रोडक्शन में उत्कृष्टता के लिए अपने 40 वें पुरस्कारों का आयोजन किया – सामान्य पुस्तकें, कला पुस्तकें, स्कूलों/कॉलेजों के लिए पाठ्यपुस्तकें, बच्चों की किताबें, तकनीकी पुस्तकें, पत्रिकाएँ, डिजिटल प्रिंटिंग आदि। कुल प्रविष्टियाँ 735 थीं जिनमें भारत भर के 58 प्रकाशकों ने हिस्सा लिया।

प्रथम पुरस्कार के लिए 35, द्वितीय पुरस्कार के लिए 34 और सर्टिफिकेट ऑफ मेरिट के लिए 33 खिताब चुने गए। यह डीपीए के लिए सम्मान की बात है कि इसके पूर्व अध्यक्ष श्री सुनील जैन को उत्कृष्टता के लिए प्रविष्टियों का चयन करने के लिए जूरी के सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया था। अन्य ज्यूरी के सदस्यों में प्रख्यात विशेषज्ञ शामिल थे, जो प्रकाशन के विभिन्न पहलुओं से अच्छी तरह से वाकिफ थे – श्री योगेश आनंद गिरि, असिस्टेंट डायरेक्टर (प्रोडक्शन) – एनबीटी, श्री सुशोभन मोंडल, प्रोडक्शन मैनेजर – आईआईएमसी और डॉ. प्रमोद कुमार, मानविकी विभाग – इगनू। प्रतियोगिता का आयोजन 12 अक्टूबर को हुआ।

स्मृति शेष

कलर प्रिंट के श्री एस. के. अग्रवाल के दुखद निधन पर एसोसिएशन अपनी संवेदनाएं और श्रद्धांजलि अर्पित करती है। ईश्वर से प्रार्थना है कि शोक संतप्त परिवार को यह असीम दुख सहने की शक्ति प्रदान करें।

स्मृति शेष

मॉडर्न पेपर मार्ट के श्री राज जैन के पिताजी श्री गुनबीर जैन के दुखद निधन पर एसोसिएशन अपनी संवेदनाएं और श्रद्धांजलि अर्पित करती है। ईश्वर से प्रार्थना है कि शोक संतप्त परिवार को यह असीम दुख सहने की शक्ति प्रदान करें।

स्मृति शेष

आकाशद्वीप प्रिंटर्स के श्री सुनील अग्रवाल के पिताजी श्री ओ. पी. अग्रवाल के दुखद निधन पर एसोसिएशन अपनी संवेदनाएं और श्रद्धांजलि अर्पित करती है। ईश्वर से प्रार्थना है कि शोक संतप्त परिवार को यह असीम दुख सहने की शक्ति प्रदान करें।

स्मृति शेष

वी. के. प्रिंटर्स के श्री मदन लाल शर्मा की धर्मपत्नी के दुखद निधन पर एसोसिएशन अपनी संवेदनाएं और श्रद्धांजलि अर्पित करती है। ईश्वर से प्रार्थना है कि शोक संतप्त परिवार को यह असीम दुख सहने की शक्ति प्रदान करें।

PRINT TECH INDIA
PRINT TECH INDIA
8/1A/4, Site 4, Sahibabad, Ghaziabad (U.P.)
Google Maps Location : https://goo.gi/maps/3pcYD2Lmmpx
M.: 9899572510, 9555884221
printtechindia@hotmail.com, www.bharatprintingagency.com

BPA Bharat Printing Agency
Authorised Dealer :
HUBERGROUP INDIA PVT LTD TECHNOVA IMAGING SYSTEM PVT LTD
MACHINERY SPARE PARTS MATCHING CENTER HOT MELT GLUE
1449/73, Durga Puri Main, 100 Feet Road, Shahdara,
Delhi-110093 (INDIA) Ph.: 011-22131169
E-mail : sharmamanoj70@gmail.com

VLF CTCP SIZE : 56x76
HEIDELBERG KOMORI
MODERN PROCESS STUDIO
8/1A/4, Site 4, Sahibabad, Ghaziabad (U.P.)
E-mail : onlinectcp@gmail.com Ph.: 0120-4272183
MITSUBISHI KBA AKIYAMA
VLF CTCP SIZE : 56x76

drupa 2021 to be cancelled and goes online as 'virtual.drupa'

Following close consultation with exhibitors and partners, the 2021 edition of drupa, the world's leading trade fair for Printing Technologies, will be cancelled due to the impact of the coronavirus pandemic. The next event will take place as scheduled from 28 May to 7 June 2024. To maintain the momentum until then, the organisers will be holding a four-day digital event titled 'virtual.drupa', to take place from 20 to 23 April 2021 during the time frame drupa was originally scheduled for.

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

Mr. S. S. Lunkar, E. C. Member of DPA and owner of Uphar Technologies Print & Publicity on October 1

Mr. Raj Kumar Arya, Former President of DPA and owner of Sindhu Art Printing Press, on October 2

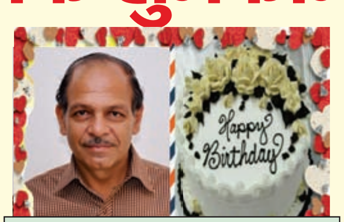

Mr. Ajay Sharma, E.C. Member of DPA and owner of Bharat Mudranalaya on October 4

Mr. Vijay Goel, E. C. Member of DPA and owner of Aravali Printers & Publishers on October 13

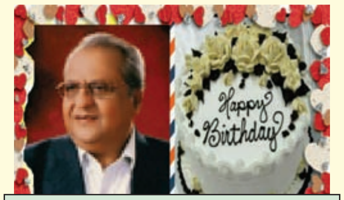

Mr. Arun Bansal, Former President of DPA and owner of Modern Printers on Oct. 14

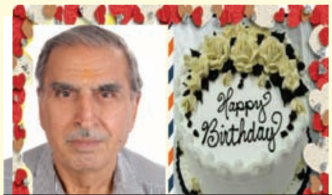

Mr. O. P. Dewan, Former President of DPA and onwer of Dewan Offset Printers P. Ltd. on Nov 1

Mr. Rajiv Gupta, Former President of DPA and onwer of Press of India on November 5

Mr. Sandeep Aggarwal, Vice-President of DPA and owner of Vishnu Offset Printers on Nov. 7

Mr. Mahinder Budhiraja, Former President of DPA and owner of EmKay Printers on Nov 16

Mr. Bhawnesh Thukral, Former President of DPA and owner of Swatantar Art Press on Nov 18

Mr. Badri Kumar Singh, Former President of DPA and owner of Kumar Press on Nov 25

Mr. P. K. Chauhan, E.C. Member of DPA and owner of Print-Ways on Nov 30

Optimum

Rajesh Kumar
9899151054

OPTIMUM RUBBER ROLLERS

CB-225, Ring Road, Naraina, New Delhi-110 028
Phone 9899151055 • E-mail: optimumrubberrollers@gmail.com

Deals in Printing (Offset & Industrial) Rubber Rollers/U.V. Combo Roller/ P.U. Coating/Rilsan Coating/S.S.Coating etc.

Available:
Ready Stock, Under Exchange for
All Common Offset Machines such as
Dominant/Poly/Heidelberg (MOB/SORS/SORD/SORM/SORK/SM-72/ SM-102/SM-74) & others

सदस्यों की डायरेक्टरी

DPA's DIRECTORY OF MEMBERS-2020 Is Out

Delhi Printers' Association is pleased to announce that the latest 12th edition of the DIRECTORY of its Members has been printed and is ready for distribution and sale. One copy of the Directory is FREE for Members and Advertisers.

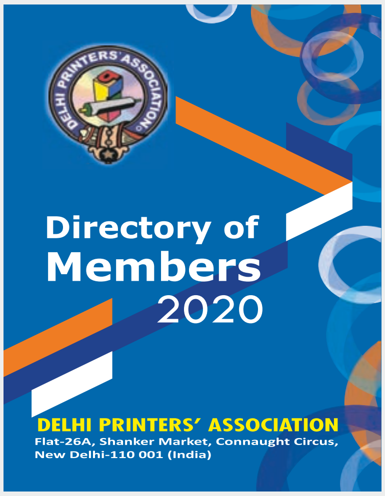

The hardbound Directory containing 450 pages is also available on Sale @ Rs.1,000/- per copy across the table from DPA office. Buyers desiring to procure their copy through courier may remit Rs.1,000/- plus Rs.150/- towards packing & couriering charges in advance.

As already intimated to all Members and Advertisers by mail and WhatsApp, they are requested to arrange to collect their copy of the Directory through their representative, carrying an authority letter, from DPA office on any working day.

We also take this opportunity to request those Members, who have not paid their Annual Membership Subscription, to clear their dues before collection of their copy.

DELHI PRINTERS ASSOCIATION, Flat 26A, Shankar Market, Connaught Circus, New Delhi-110001. Phones: 011-23414415, 23412574. Mob: 9971371109

वैवाहिक वर्षगांठ की हार्दिक शुभकामनाएं

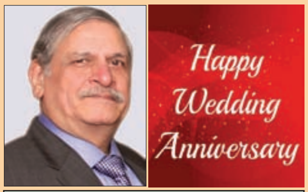

Wedding anniversary of Mr. Mahinder Budhiraja, Former President of DPA and owner of EmKay Printers on Oct 8

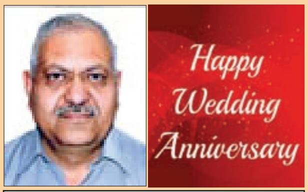

Wedding anniversary of Mr. Arun Berry, Former President of DPA and owner of Berry Art Press on Oct. 9

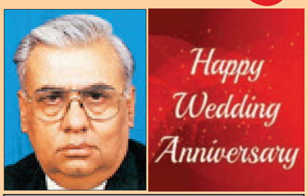

Wedding anniversary of Mr. Vinod Rajpal, Former President of DPA and owner of Syndicate Binders on Oct. 15

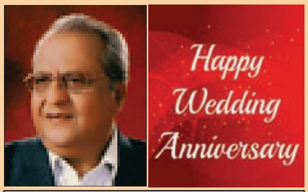

Wedding anniversary of Mr. Arun Bansal, Former President of DPA and owner of Modern Printers on Nov. 2

Wedding anniversary of Mr. Bhawnesh Thukral, Former President of DPA and owner of Swatantar Art Press on Nov 3

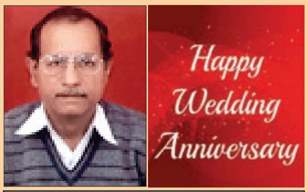

Wedding anniversary of Mr. Badri Kumar Singh, Former President of DPA and owner of Kumar Press on Nov 19

Wedding anniversary of Mr. Sanjay Sharma, E.C. Member of DPA and owner of Balaji Offset on Nov 25

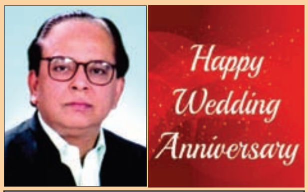

Wedding anniversary of Mr. Vijay Mohan, Former President of DPA and owner of Shalimar Offset Press on Nov 27

Supena

AMAR SUPENA ENGINEERS

Our Product Range :

- UV Roller attachments
- Silk screen Exposure
- Laminated roll separator (sheeter)
- Metal Halide Lamps for exposures
- Wuhan UV LED interdeck systems
- Stripping machine after die cutting (blanking machine)
- Roller coater Off-line
- Plate baking ovens for CTP
- UV curing system for silk screen
- Teflon belts for UV curing systems
- Mercury Vapor Lamps & Interdeck systems

Works:
Pecket E-195, Sector-2,
Bawana Industrial Area,
New Delhi-110039

Contact : +91-9811352676, E-mail : amarsupena@gmail.com

Office :
1449/18, Durga Puri,
Loni Road, Delhi-110093

गुस्से को कैसे शांत करें

गुस्सा हर किसी की जिंदगी का अहम हिस्सा है, जो की हर इंसान को आता है, चाहे किसी को कम तो किसी को ज्यादा। गुस्सा हर इंसान को अलग तरह से आता है। किसी को किसी छोटी बात पर जल्दी ही गुस्सा आ जाता है तो किसी को हद से ज्यादा परेशान होने पर ही क्रोध आता है। हद से ज्यादा परेशानी होने पर गुस्सा आने की कोई वजह जरूर होती है। लेकिन अगर आपको छोटी–छोटी बातो को लेकर आपके मन से नहीं रहा जाता है और क्रोध आने लगता है तो यह आपके लिए परेशानी का विषय है। आइये जाने अपने गुस्से को कैसे शांत करें और गुस्सा को काबू में पाने के उपाय टिप्स जब गुस्सा और प्यार दोनों एक दूसरे के कड़े दुश्मन है। जहा प्यार एक दूसरे को आपस में बांधता है वही गुस्सा एक दूसरे के बीच दूरी बनता है। गुस्सा हद से ज्यादा आना भी आपके लिए परेशानी का विषय हो सकता है। यह आपके फैसलों को गलत कर सकता है। कई बार तो गुस्सा अपनों में ही खोट पंहुचा जाता है। गुस्सा अगर दोस्तों, परिवार के लोगों या सेज समन्धियों से हो गया तो इससे रिश्ते भी उजड़ जाते हैं। लेकिन अगर आप कहते हैं आप गुस्सा को ज्यादा उत्साहित न कर उसपे काबू पाएं तो ये करिये।

क्रोध में अक्सर क्या होता है

गुस्सा होने पर हमारी दिल की धड़कन तेजी से धड़कने लगती है, रक्तचाप में वृद्धि, तनाव ज्यादा होने लगता है। क्रोध में हमारी साँसे तेजी से उबरने लगती है और मन दूसरे को मरने के उप्पर चलता है। जब क्रोध जीवन में ज्यादा आता है तो समय के साथ इसे कण्ट्रोल नहीं कर पाते है। यह न सिर्फ तनाव को ज्यादा बढ़त बल्कि आपके गुणवत्ता को को प्रभावित करता है।

वैसे हम बार–बार स्वयं को यह समजते रहते हैं कि गुस्सा करना अच्छा नहीं है फिर भी क्रोध अपने आप आने लगता है। पूरे बचपन में हम यही सीखते रहे कि क्रोध नहीं करना चाहिए लेकिन यह प्रश्न कि "क्रोध को नियंत्रित कैसे करे" ज्यों का त्यों बना हुआ है । जब यह भावनाओं का

गुबार फूटता है, तब हम क्या करें ?

क्रोध आता क्यों है या इसे आने से पहले हम क्यों नहीं रोक पाते इन सब बातों से हम परे हैं। उदाहरण के लिए अगर किसी भी वक्त हमारी किसी के साथ झगड़ा हो जाता है तो हमें ठन्डे दिमाग से इस बात को सोचना चाहिए की इसका फायदा क्या होगा। थोड़ी वह आपको गाली देगा थोड़ा आप दोगे, बाकी तमाशा देखने दुनिया तो है ही। महात्मा बुद्ध कहते थे की अगर गलती अपनी भी हो तो आदमी को गुस्सा नहीं करना चाहिए यह सिर्फ और सिर्फ आपको ही नुक्सान देगा। यह आसान नहीं होगा जब आपको क्रोध आया तो लेकिन मन और भावनाओ को देखते हुए आप अपने तनाव को काबू में कर गए तो आपके जैसा आदमी कोई नहीं। तो चलिए कुछ बेहतरीन तरीके जिनकी मदद से आप मन को काबू में पा सकते हैं।

बोलने से पहले सोचो

अक्सर गुस्सा आदमी को गर्मियों के दिनों में आता है, इसका कारण यह है की आदमी एक तो गर्मी से परेशान एक आजकल के बेरोजगारी, पर्यावरण प्रदुषण से परेशान रहता है और इस बीच आपको किसी के साथ बहस हो गई तो गुस्सा आना ही आना है, लेकिन कोई भी आदमी पहले तो आपको परेशान करने की कोशिश नहीं करेगा, क्यूंकि क्या पता वो भी परेशान हो और गलती में हो गया हो। अगर कोई परेशां करता है, तो उसका फल उसे आगे चलकर जरूर मिलता है। आपको बस अपने विचारो पर काबू रखना है की इससे गुस्सा करने पर मुझे क्या मिलेगा। कुछ देर शांत हो जाएँ खुद आपका गुस्सा ठंडा हो जायेगा।

स्वसन वाला योग

गुस्सा ज्यादातर तनाव के कारण आता है, और तनाव हमारे काम अच्छी तरह न होने पर। तो पहले आपको अपने तनाव को दूर करना होगा इसके लिए आप शुबह–शाम ध्यान/योग करें। यह योगासन आपको आतंरिक रूप से शुद्ध करेगा। आपके मन में जो भी नकारात्मक विचार या कोई गलत सोच हो उसे दूर करता है।

ब्रेक लें

काम के साथ साथ ब्रेक लेना बहुत जरूरी है। क्यूंकि काम में अगर सफलता नहीं मिलती है तो अक्सर आदमी क्रोध में आने लगता है वह हर बात पर चिड़चिड़ा हो जाता है। इसलिए जब भी आप कोई काम कर रहे हैं तो बीच में थोड़ा ब्रेक लें इससे आपको नए ऊर्जा मिलेगी और आप उस काम को ठन्डे दिमाग से अधिक बेहतर कर सकते हैं। इसके अलावा आप अपने काम पर ही ध्यान नहीं रखें कही घूमने या सुबह शाम ठंडी हवा में सैर करें।

मैं की भावना छोड़ दें

कई व्यक्तियों को देखा गया है की वे छोटी से छोटी बात में कहते हैं "मैं " परेशान हूँ, या मेरे साथ ये हो गया। इससे न सिर्फ आपकी प्रॉब्लम खत्म होगी आपका दिमाग आगे कही नहीं लगेगा और आप उस मैं पर ही ठीके रहेंगे। थोड़ा आगे देखें कितने लोग आपसे बड़ी समस्या से परेशान है। तो ये सबकुछ छोड़ दें और जाने जो हो रहा अच्छे के लिए हो रहा है।

हँसना बहुत जरूरी

दिल से हंसना भी आपके तनाव और गुस्से पर काबू पाने में मदद कर सकता है। कहते है की आधे से अधिक रोग तो तब ही खतम हो जाते है जब आदमी हँसाना जान जाता है। चाहे आपके उप्पर कितनी भी बड़ी परेशानी है आपको हिम्मत नहीं हारनी है। बस ये सोचकर चलें की समय के चलते सब सही हो जायेगा। समस्या का डटकर मुकाबला करें।

KUMAR Graphics

+91-9891798919
+91-9555088895

SALE-PURCHASE : ALL TYPES OF OFFSET PRINTING & ALLIED MACHINES

SPARE PARTS ★ RECONDITIONING ★ REPAIRING

W/Off: Plot No. 244, Nangli Sakrawati, Near Shri Ram Mandir, Najafgarh, New Delhi-110 043 (INDIA)
E-mail : kumargraphics1@gmail.com

HEIDELBERG KOMORI KBA MAN ROLAND ADAST SOLNA
MITSUBISHI POLAR PERFECTA stahl MÜLLER MARTINI HAMADA RYOBI

www.kumargraphics.com